न्याय के दिन की निशानियां (2 का भाग 1): छोटी निशानियां

रेटिंग:

विवरण: ????? ?? ??? ?? ??? ?? ???? ????? ?????? ?? ????????? ?? ????? ?? ???? ????????? ?? ?? ????????? ?????

श्रेणी: पाठ › इस्लामी मान्यताएं › परलोक

द्वारा: Aisha Stacey (© 2013 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य

- न्याय के दिन के संकेतों को समझना और अपनी रचना के प्रति अल्लाह के विशाल ज्ञान पर विचार करते हुए विभिन्न संकेतों की समीक्षा करना।

अरबी शब्द

- *??-?????* - ईश्वरीय आदेश।

- *??????* - प्रार्थना स्थल का अरबी शब्द।

- *?????* - स्वैच्छिक दान।

- *??????* - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, किया या करने को कहा।

- *????* - क़ुरआन का अध्याय।

- *??? ??-????????* - वस्तुतः पुनरुत्थान का दिन, जिसे न्याय का दिन भी कहा जाता है। इस्लाम बताता है कि इस दिन सभी जीवित चीजों के मरने के बाद उन्हें फिर से जीवित किया जाएगा और अंतिम निर्णय के लिए अल्लाह के सामने खड़ा किया जाएगा।

- *?????* - अनिवार्य दान।

न्याय के दिन में विश्वास (जिसे पुनरुत्थान का दिन और अंतिम दिन और अरबी में योम अल-क़ियामाह भी कहते हैं) इस्लामी आस्था के छह स्तंभों में से एक है। इसका मतलब यह है कि मुसलमान को इस अवधारणा को मानने और समझने की आवश्यकता है। मूल रूप से मुसलमानों का मानना है कि वो दिन आएगा जब ब्रह्मांड को नष्ट किया जायेगा और मृतकों को अल्लाह के सामने खड़ा करने के लिए पुनर्जीवित किया जाएगा और इस जीवन के कर्मों के अनुसार उनका न्याय किया जाएगा। अंतिम लक्ष्य कभी न खत्म होने वाले स्वर्ग में भेज दिया जाना है।

तथा जो ईमान लायें और सत्कर्म करें, वही स्वर्गीय हैं और वे उसमें सदावासी होंगे। (क़ुरआन 2:82)

बहुत से लोग भय और प्रत्याशा के साथ इस महत्वपूर्ण दिन की प्रतीक्षा करते हैं। दूसरों का मानना है कि यिह अभी दूर है इसलिए वो इसकी चिंता नही करते हैं और फिर भी अन्य लोग इस दिन के आने के संकेतों की तलाश करते हैं। क़ुरआन की सूरह 21 कई लोगों की विचारहीनता को बताता है जब यह शुरू होता है, "**समीप आ गया है लोगों के हिसाब का समय, जबकि वे अचेतना में मुंह फेरे हुए हैं। (क़ुरआन 21:1)**

न्याय के दिन के संकेतों पर अनगिनत किताबें और लेख लिखे गए हैं और वीडियो बनाए गए हैं, बिना यह जाने कि वास्तव में किस पर विश्वास करना है और किस पर नहीं। इस पाठ और अगले पाठ का उद्देश्य न्याय के दिन के संकेतों को अनौपचारिक और आसानी से समझ में आने वाले तरीके से बताना है। न्याय के दिन के बारे में पढ़ते या शोध करते समय ध्यान में रखने वाली दो महत्वपूर्ण बातें इस प्रकार हैं। सबसे पहले, न्याय के दिन से जुड़े संकेतों, परीक्षणों और समस्याओं का ज्ञान क़ुरआन और पैगंबर मुहम्मद की प्रामाणिक सुन्नत से प्राप्त करना चाहिए। और दूसरी बात, कोई नहीं जानता कि हिसाब-किताब का यह समय[1] कब आएगा। "**निःसंदेह, अल्लाह ही के पास है प्रलय का ज्ञान..." (क़ुरआन 31:34)**। मानव जाति केवल संकेतों को जान सकती है।

पैगंबर ने कहा, "प्रलय तब आएगा जब सरदार अत्याचारी होंगे, जब लोग सितारों पर विश्वास करेंगे और अल-क़द्र (दिव्य आदेश) को अस्वीकार करेंगे, जब विश्वास लाभ कमाने का एक तरीका बन जायेगा, जब लोग सदक़ा अनिच्छा से देंगे, जब व्यभिचार व्यापक हो जाएगा - और जब ऐसा होगा, तब तुम्हारी जाती का नाश हो जायेगा।"

छोटी निशानियां

न्याय के दिन की छोटी निशानियां वे निशानियां हैं जो वास्तविक दिन से बहुत पहले हो सकती हैं। वे दैनिक दुनिया की घटनाओं के दौरान हो सकते हैं, वे असंख्य हो सकते हैं और अक्सर उन पर किसी का ध्यान नहीं जायेगा, यहां तक कि ये बार-बार भी हो सकती हैं। कुछ टिप्पणीकारों ने अनुमान लगाया है कि न्याय के दिन के 100 से अधिक छोटी निशानियां हैं। न्याय के दिन की छोटी निशानियों पर विचार करना विश्वासियों को याद दिलाता है कि अल्लाह को अभी हो रही और भविष्य में होने वाली हर चीज़ का पहले से ही पता है। अल्लाह का ज्ञान विशाल और श्रेष्ठ है और जो कुछ भी हम करते हैं, देखते हैं या सोचते हैं, अल्लाह वह सब जानता है। हम कुछ अधिक जानी-मानी छोटी निशानियों की एक सूची बताएंगे और आपसे यह विचार करने के लिए कहेंगे कि क्या ये संकेत आपके आसपास हो रहे हैं या अतीत में हुए हैं।

·समय तेजी से बीतेगा, अच्छे कर्म कम हो जाएंगे, कंजूसी (लोगों के दिलों में) फैल जाएगी, क्लेश दिखाई देंगे और 'अल-हर्ज' बहुत होगा। उन्होंने कहा, "ऐ अल्लाह के दूत! "अल-हर्ज" क्या है? उन्होंने कहा, "हत्या! हत्या!”

·भद्दे कृत्य सामान्य रूप से होंगे, भद्दे कृत्यों करने के लिए काम करना, रिश्तों के बंधनों को तोड़ना और धोखेबाजों पर भरोसा करना।

·ज्ञान का लोप और अज्ञान का प्रकट होना।

·धन बहुत अधिक होगा; इतना अधिक कि एक धनवान व्यक्ति चिंता करेगा कि कोई उसकी ज़कात कौन लेगा, और जब भी वह उसे किसी को देगा, तो वह व्यक्ति (जिसे दिया जाएगा) कहेगा, 'मुझे इसकी आवश्यकता नहीं है।’

·लोग ऊंची इमारतों के निर्माण में एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

·एक आदमी किसी की कब्र के पास से गुजरते हुए कहेगा, 'काश मैं उसकी जगह होता'।

·मुसलमानों के दो समूह आपस में भिड़ेंगे और उनके बीच बड़े पैमाने पर नरसंहार होगा और दोनों का दावा एक ही होगा।

·लोग अजनबियों के साथ संबंध स्थापित करेंगे और अपनों से संबंध तोड़ लेंगे।

·भूकंप बढ़ेगा।

·कोई भी लाभ केवल अमीरों के बीच बांटा जायेगा, गरीबों को कोई लाभ नहीं होगा।

·ट्रस्ट लाभ कमाने का साधन बन जायेगा।

·ज़कात देना बोझ बन जायेगा।

·पुरुष अपनी पत्नियों की आज्ञा मानेंगे और अपनी माताओं की आज्ञा नहीं मानेंगे; और अपने दोस्तों के साथ दया का व्यवहार करेंगे और अपने पिता को त्याग देंगे।

·मस्जिदों में आवाजें ऊंची होगी।

·लोगों के सरदार उनमे सबसे खराब होंगे।

·लोग किसी व्यक्ति के साथ सम्मान का व्यवहार करेंगे क्योंकि उन्हें डर होगा कि वह कुछ बुरा कर देगा।

·शराब और नशीले पदार्थों का व्यापक उपयोग होगा।

·महिला गायक और संगीत वाद्ययंत्र लोकप्रिय हो जायेंगे।[3]

आज जब हम दुनिया की स्थिति देखते हैं तो दुनिया की वर्तमान और पिछली घटनाओं की स्थिति के साथ छोटे संकेतों को जोड़ना आसान हो जाता है। व्यभिचार और शराब का उपयोग आसानी से दिमाग में आता है और इसके लिए किसी स्पष्टीकरण या अनुचित विचार-विमर्श की आवश्यकता नहीं है। हालांकि कुछ संकेत उत्सुकता और चिंतन पैदा करते हैं जैसे कि ऊंची इमारतों को खड़ा करने की होड़। आपको सूची में विस्तार करने और संकेतों को अधिक अच्छी तरह से समझने के लिए और अधिक शोध करने की सलाह दी जाती है।

अगले पाठ में हम न्याय के दिन की बड़ी निशानियों को देखेंगे। ये ऐसी निशानियां हैं जो तब घटित होगी जब वह दिन लगभग करीब होगा और आमतौर पर यह असामान्य और अलौकिक होगी।

फुटनोट:

[1] हिसाब-किताब का समय उस समय को संदर्भित करता है जब तुरही फूंकी जाएगी और इस तरह अंतिम दिन शुरू होगा।

[2] ईश्वरीय आदेश में विश्वास के बारे में अधिक जानने के लिए, कृपया देखें: (http://www.newmuslims.com/lessons/30/)

[3] छोटी निशानियों की सूची बुखारी, मुस्लिम, अत-तिर्मिज़ी, इमाम अहमद और अत-तबरी में निहित हदीसों से ली गई है। ये किसी क्रम विशेष
नहीं हैं।

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/192

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।